

सतगुरु जी महाराज मोपे हरि रंग डाला भजन लिरिक्स



सतगुरु जी महाराज मोपे,

दोहा – सतगुरु जिनका नाम है,
और घट के भीतर धाम,
ऐसे दीनदयाल को,
मेरा बारम्बार प्रणाम।

सतगुरु जी महाराज मोपे,
साई रंग डाला साई रंग डाला,
हरि रंग डाला कृष्ण डाला।bd।

शब्द की चोट लगी घट भीतर,
भेद गया तन सारा,
शब्द की चोट लगी घट भीतर,
भेद गया तन सारा,
भेद गया तन सारा,
साई रंग डाला साई रंग डाला,
हरि रंग डाला कृष्ण डाला।bd।

सुर नर मुनिजन पीर औलिया,
कोई नहीं पावे पारा,
सुर नर मुनिजन पीर औलिया,
कोई नहीं पावे पारा,
कोई नहीं पावे पारा,
साई रंग डाला साई रंग डाला,
हरि रंग डाला कृष्ण डाला।bd।

साहिब कबीर सबद रंग रंगिया,
सब रंग से रंग न्यारा,
साहिब कबीर सबद रंग रंगिया,
सब रंग से रंग न्यारा,
सब रंग से रंग न्यारा,
साई रंग डाला साई रंग डाला,
हरि रंग डाला कृष्ण डाला।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करें। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>



सतगुरु जी महाराज मो पे,
साई रंग डाला साई रंग डाला,
हरि रंग डाला कृष्ण डाला।bd।

Singer – Mukesh Kumar Meena
